Kumar Madhusudan Raja
Deptt of Philosophy

Sem: II

दर्शन शास्त्र (Gre - IV)

पाश्चात्य दर्शन

बहुवैकल्पिक प्रश्न :-

(1) प्लेटो किसके शिष्य थे।
(a) सुकरात (b) अरस्तु (c) हेराक्लीट्स (d) इनमें से कोई नहीं

(2) प्लेटो के संवाद-सिद्धान्त को क्या कहा जाता है।
(a) यार्थार्थवाद (b) वस्तुवाद (c) उपर्युक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

(3) संत एक्विनस के अनुसार ईश्वर क्या है।
(a) आदि कारण (b) पूर्णतः पूर्ण (c) विकास का प्रयोजन (d) सभी

(4) देकार्त कैसे दार्शनिक हैं।
(a) अनुभववादी (b) बुद्धिवादी (c) सामान्यवादी (d) उपर्युक्त सभी

(5) देकार्त के अनुसार ज्ञान का उद्गम क्या है।
(a) आश्चर्य (b) विश्वास (c) संदेह (d) उपर्युक्त सभी

(6) स्पिनोजा ने किसे परम द्रव्य माना है।
(a) ईश्वर (b) मनुष्य (c) जगत (d) उपर्युक्त सभी

(7) लाइबनिट्ज के अनुसार इस विश्व का परम कारण क्या है?
(a) ईश्वर (b) जगत (c) मनुष्य (d) उपर्युक्त सभी

(8) लाइबनिट्ज के अनुसार जड़ क्या है।
(a) चेतन (b) अचेतन (c) सुप्त-चेतन (d) उपर्युक्त सभी

(9) अनुभववाद का पिता किसे कहा जाता है।
(a) बर्कले (b) ह्यूम (c) डेकार्त (d) लॉक

(10) किसने कहा था, कि सत्ता अनुभवमूलक है।
(a) लॉक (b) बर्कले (c) ह्यूम (d) डेकार्त

(11) ह्यूम के अनुसार ज्ञान के कौन-कौन से साधन हैं।
(a) संस्कार (b) विज्ञान (c) दोनों (d) उपर्युक्त में दोनों

(12) काण्ट के अनुसार संवेदना किससे होकर हमारे मस्तिष्क तक पहुंचती है।
(a) देश (b) काल (c) उपर्युक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :-
(1) a, (2) c (3) d (4) b (5) c (6) a
(7) a (8) c (9) a (10) b (11) c (12) c

Scanned with CamScanner

प्लेटो का "विज्ञानवाद" (Theory of Ideas)

प्लेटो का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धान्त उनका विज्ञानवाद (Theory of Ideas) है। कुछ विद्वानों का मत है कि विज्ञानवाद सुकरात का सिद्धान्त है, प्लेटो का नहीं। विज्ञानवाद के जन्मदाता सुकरात ही हैं। परन्तु प्लेटो ने विकसित कर पूर्ण विज्ञानवाद का सिद्धान्त बनाया है। प्लेटो ने अपने 'फीडो' आदि पूर्व संवादों में सुकरात के विज्ञानवाद का वर्णन किया है, और 'पार्मेनाइडीज' में उन्होंने अपने विचारों के अनुरूप उसका संशोधन किया है। प्लेटो ने इन्द्रिय-जगत को विज्ञान-जगत का 'अंश' या 'प्रतिबिम्ब' कहने की अपेक्षा इसे विज्ञान-जगत की 'अभिव्यक्ति' कहना अधिक अच्छा समझते हैं। प्लेटो के अनुसार विज्ञान ही विश्व के मूल कारण है, अर्थात विश्व के सभी वस्तुओं की उत्पत्ति विज्ञान से होती है। अरस्तू के अनुसार प्लेटो ने अपने विज्ञान-वाद की सिद्धि के लिए पाँच प्रकार के तर्कों का उपयोग किया है।

1. विज्ञान मूलक तर्क (The argument of the sciences)
2. अभेद मूलक तर्क (The argument of the one and many)
3. अभावमूलक तर्क (The argument of the Knowledge of things that are no more)
4. संबधमूलक तर्क (The argument of relation)
5. तृतीय मनुष्यमूलक तर्क (the argument implying the fallacy of third man)

(1) विज्ञानमूलक तर्क :- इसके अनुसार इस लोक की वस्तुएं अनित्य और परिवर्तनशील हैं। अतः वे ज्ञान के विषय नहीं हो सकती हैं। ज्ञान का विषय नित्य और अपरिवर्तनशील होना चाहिए। ये नित्य, अपरिणामी और सामान्य तत्व ही प्रत्यय हैं। इस जगत् में दृश्यमान वस्तुए विशेष हैं। अतः प्रत्ययों की सामान्यता तर्कतः सिद्ध होती है। यदि ये सामान्य प्रत्यय न हो तो ज्ञान और विज्ञान असंभव हो जायेगा। दूसरे शब्दों में ज्ञान की ~~सार्व~~ सार्वभौमिकता, नित्यता और स्थिरता प्रत्ययों के कारण है।

Scanned with CamScanner

(2) अभेदमूलक तर्क :- प्राकृतिक जगत में पायी जाने वाली अनेक विशेष वस्तुएं सामान्य नहीं हो सकती है। इस जगत की सभी वस्तुएं विशेष होती हैं। सामान्यों की सत्ता इस लोक की विशिष्ट वस्तुएं से भिन्न किसी अन्य लोक में होनी चाहिए।

(3) अभावमूलक तर्क :- विशेषों के न होने पर भी किसी वर्ग के सामान्य स्वरूप का चिंतन किया जा सकता है। यदि किसी वर्ग के अन्तर्गत आने वाली कुछ विशेष वस्तुएं न हो तो भी उनके सामान्य स्वरूप को जाना जा सकता है। इससे सिद्ध होता है कि विशेषों के अभाव में भी सामान्यों का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

(4) संबंधमूलक तर्क :- प्राकृतिक जगत की सभी वस्तुएं प्रत्ययों की प्रतिलिपियाँ हैं। यद्यपि जगत की वस्तुएं प्रत्ययों के हू-बहू अनुरूप नहीं है। फिर भी वे प्रत्ययों के ही प्रतिबिम्ब हैं। इससे स्पष्ट होता है कि जगत की वस्तुएं प्रत्ययों के समान होती है। प्रत्यय वस्तुओं के नित्य आकार है। इसीलिए एक वर्ग की वस्तुओं को एक ही नाम (जैसे, सभी मनुष्यों को 'मनुष्य' नाम) से संबोधित किया जाता है। वस्तुओं के इन नित्य साँचों को ही प्लेटो ने प्रत्यय कहा है।

(5) तृतीय मनुष्यमूलक तर्क :- इस युक्ति के अनुसार एक ही नाम से पुकारी जाने वाली विभिन्न वस्तुएं एक वर्ग (class) के अन्तर्गत आती है। ये वस्तुएं एक 'सामान्य' तत्व के साथ सामान्य रूप से संबंधित होती है। यह सामान्य तत्व ही प्लेटो के प्रत्यय का दूसरा नाम है।

Scanned with CamScanner